

हेमांगद पुं. (तत्.) 1. सोने का बाजूबंद 2. वसुदेव का एक पुत्र।

हेमा स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर स्त्री 2. पृथ्वी 3. माधवी नामक लता।

हेमागार पुं. (तत्.) 1. स्वर्ण भंडार 2. हिमालय।

हेमाचल पुं. (तत्.) सुमेरु पर्वत, हेमगिरि, हेमाद्रि।

हेमाद्रि पुं. (तत्.) सुमेरु पर्वत।

हेमाभ वि. (तत्.) (हेम+आभा) सुनहली चमक वाला, स्वर्णिम कांति वाला।

हेमांभोज पुं. (तत्.) 1. स्वर्ण कमल, सोने का कमल 2. सुनहले रंग का कमल।

हेमाल पुं. (तत्.) संगी. एक प्रकार का राग जो दीपक-पुत्र कहा जाता है वि. 1. बर्फ की तरह ठंडा, शीतल 2. हिमालय।

हेम्न पुं. (तत्.) मंगल-ग्रह।

हेम्ना स्त्री. (तत्.) संगी. संकीर्ण राग का एक भेद।

हेम्य वि. (तत्.) (हेम+यत्) 1. सोने का, सोने से संबंधित 2. सुनहला, सोने की आभा वाला।

हेय वि. (तत्.) 1. घृणित तथा तुच्छ 2. त्याज्य, छोड़ने योग्य 3. जाने वाला, गमनीय।

हेरंब पुं. (तत्.) 1. गणेश 2. बुद्ध का एक नाम 3. धीर एवं उद्धत नायक 4. भैंसा 5. पार्वती 6. जननी।

हेर पुं. (तत्.) 1. किरीट, मुकुट 2. हल्दी 3. आसुरी माया (हिंदी) स्त्री. 1. देखने या हेरने की क्रिया/भाव 2. खोज, तलाश 3. प्रेमपूर्ण चितवन या दृष्टि 4. शिकार (अहेर)।

हेरक पुं. (तत्.) 1. शिव के एक गण का नाम 2. (तद्.) वि. हेरने या देखने वाला, ढूँढ़ने वाला।

हेरनहार वि. (देश.) 1. हेरने वाला, देखने वाला 2. ढूँढ़ने वाला।

हेरना स.क्रि. (देश.) (हि.-अहेर) 1. तलाश करना, ढूँढ़ना, खोजना 2. खोजने के लिए इधर-उधर देखना 3. ताकना, घूरना 4. परखना जाँचना।

हेरना-फेरना स.क्रि. (देश.) 1. इधर-उधर करना, हेरफेर करना 2. अदला-बदली करना, बदलना, विनिमय करना।

हेर-फेर पुं. (देश.) 1. घुमाव, चक्कर 2. चक्कर में डालने वाली या घुमाव-फिराव की कोई पेंचीली बात 3. चाल-बाजी, दांव-पेंच 4. अदला-बदली, विनिमय 5. अंतर, फरक 6. किसी लेख का कोई अंश हटा कर, इधर-उधर करना या काटना, रद्दो बदल।

हेरवा पुं. (तत्.) 1. तलाश, ढूँढ़, खोज 2. किसी के चले जाने और उसके न मिलने पर बच्चों को होने वाला दुख या पड़ने वाला वियोगजन्य कुप्रभाव।

हेरवाना स.क्रि. (देश.) (हि.हेराना) 1. खोना, गँवाना 2. डालना, देना 3. तलाश करवाना, ढूँढ़वाना।

हेराना अ.क्रि. (तत्.) 1. किसी चीज का खो जाना या हरण हो जाना, गुम होना 2. किसी वस्तु का तिरोहित हो जाना या पहुँच के बाहर हो जाना 3. किसी बात का अभाव या तिरोभाव 4. ऐसी अवस्था में होना कि उसे ढूँढ़ने पर भी पता न लगे 5. आत्म-विस्मृत होना, सुध-बुध खोना 6. तलाश करवाना, ढूँढ़वाना 7. गँवा देना, गुम कर देना।

हेरा-फेरी स्त्री. (देश.) 1. इधर का उधर या उधर का इधर होने की स्थिति या भाव, हेर-फेर 2. अदला-बदली 3. ला.अर्थ. किसी काम में बेईमानी करना, छल-कपट 4. गबन करना।

हेरिक पुं. (तत्.) जासूस, गुप्तचर, भेदिया।

हेरियाना पुं. (देश.) जहाज (जलयान) के अगले पालों की रस्सियाँ तानकर बाँधना, हेरिया मारना (जहाजियों की भाषा में)।

हेरी स्त्री. (देश.) 1. पुकार, किसी को बुलाने के लिए दी गई आवाज उदा. 'कोउ हेरी देत, परस्पर स्याम सिखावत' -सूरदास 2. कोलाहल, शोर।

हेरुक पुं. (तत्.) 1. गणेश का एक नाम 2. शंकर, शिव 3. एक बोधिसत्व।